सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड टेक्नोलॉजी

फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (FIFA) वर्तमान में चल रहे फुटबॉल विश्व कप में**ऑफसाइड फैसलों** के लिये **सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड टेक्नोलॉजी (SAOT)** का उपयोग कर रहा है।

- ऑफसाइड नियम अटैकिंग खिलाड़ियों को डिफेंडिंग टीम के गोल के सामने लगातार घेराव करने से रोकना है।

सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड टेक्नोलॉजी:

- **SAOT वीडियो मैच के अधिकारियों और ऑन-फील्ड अधिकारियों के लिये एक सहायक उपकरण है** जो उन्हें तेज़ी से अधिक स्पष्ट जानकारी और अधिक सटीक ऑफसाइड निर्णय लेने में मदद करता है।
- इस प्रौद्योगिकी के दो भाग हैं - **मैच वाले बॉल के अंदर लगा एक संवेदक(सेंसर)** जो ससपेंशन प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाता है और मौजूदा ट्रैकिंग उपकरण में भी लगा होता है जो वीडियो सहायक रेफरी (Video Assistant Referee- VAR) प्रणाली का हिस्सा है।
- जब भी गेंद को मारा जाता है, संबंधित डेटा वास्तविक समय में (500 फ्रेम प्रति सेकंड की दर से)**खेल के मैदान के चारों ओर स्थापित एंटीना के नेटवर्क पर भेजा जाता है।**
- इसके अतिरिक्त, टर्फ के चारों ओर 12 हॉक-आई कैमरे स्थापित किये गए हैं जो गेंद और खिलाड़ियों दोनों को कवर करते हैं, साथ ही मानव शरीर में 29 अलग-अलग बिंदुओं पर नज़र रखी जाती है।
- बॉल सेंसर और हॉक-आई कैमरों का एक साथ आना SAOT का प्रभाव है।
- ये दो **डेटा सेट** आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस **सॉफ्टवेयर के माध्यम से चलाए जाते हैं जो मैच अधिकारियों को ऑफसाइड के बारे में स्वचालित अलर्ट उत्पन्न करता है।** यह अंत में मैन्युअल प्रयास को बदल देता है।

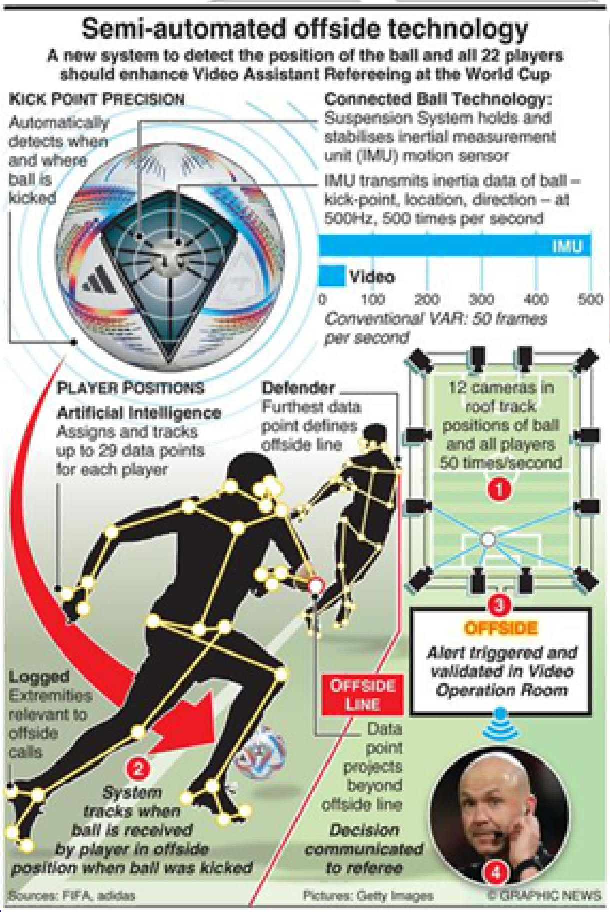

//

[स्रोत: द हिंदू](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/semi-automated-offside-technology